https://www.kuonline.in

Roll No. ..... Total Pages : 4

BAM/A-20 **259**

संस्कृत

(ऐच्छिक)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर यथाक्रम दीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए :

(i) राजा विराट के पुत्र का क्या नाम था?

(ii) राजा दिलीप की पत्नी तथा उनके गुरु की पत्नी का नाम क्या था?

(iii) गौर सिंह ने किसे मारा था?

(iv) पञ्चतन्त्र के लेखक का नाम लिखिए?

(v) देवालयः पद का विग्रह कीजिए।

(vi) श्रु धातु के तुमुन् तथा तव्यत, प्रत्ययान्त रूप लिखिए।

(vii) पद-संज्ञा विधायक सूत्र लिखिए।

(viii) अच् प्रत्याहार लिखिए। (8×2=16)

https://www.kuonline.in

2. निम्नलिखित में से **एक** का सप्रसंग सरलार्थ लिखिए :

(क) (i) त्वं वञ्च्यसे यदिभया न तवात्र दोषः

त्वां पीडयामि यदि वास्तु तवैव लाभः।

भेदाः परस्पर-गता हि महाकुलानां

धर्माधिकार-वचनेषु शमी भवन्ति।।

(ii) धनुरुपनय शीघ्रं कल्प्यतां स्यन्दनो मे

मम गतिमनुयातु छन्दतो यस्य भक्तिः।

रणशिरसि गवार्थे नास्ति मोघः प्रयत्नो

निधनमपि यशः स्यान्मोक्षयित्वा तु धर्मः।।

(8)

(ख) निम्नलिखित पद्यों में से **दो** का सरलार्थ कीजिए :

(i) पुरस्कृता वर्त्मनि पार्थिवेन प्रत्युद्गता पार्थिव-धर्मपत्न्या।

तदन्तरे सा विरराज धेनुर्दिन-क्षपा मध्यगतेव सन्ध्या।।

(ii) सञ्चार-पूतानि दिगन्तराणि कृत्वा दिनान्ते निलयाय गन्तुम्।

प्रचक्रमे पल्लव-राग-ताम्रा प्रभा पतंगस्य मुनेश्च धेनुः।।

(iii) ततः समानीय स मानितार्थी हस्तौ स्वहस्तार्जितवीर-शब्दः।

वंशस्य कर्तारमनन्त कीर्तिं सुदक्षिणायां तनयं ययाचे।।

(2×4=8)

https://www.kuonline.in

https://www.kuonline.in

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8)

(क) (i) अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचि-मालिनः। एष भगवान् मणिराकाश-मण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचर-चक्रस्य, कुण्डलमाखण्डल-दिशः, दीपको ब्रह्माण्ड-भाण्डस्य, प्रेयान् पुण्डरीक-पटलस्य, शोक-विमोकः कोकलोकस्य।

(ii) ''भगवन! प्रायो दुर्लभो युष्मादृशाणां साक्षात्कार इत्यपराऽपि पृच्छा आच्छादयति माम्'' इति न्यवेदीत्। स च ''आम्! ऊरीकृतम्, जीवति सः, सुखेनैवास्ते'' इत्युदतीतरत्। अथ ''तं कदा द्रक्ष्यामि'' इति पुनःपृष्टवती ''तद्विवाह समये द्रक्ष्यसि'' इत्यभिधाय जगाम।

(ख) कविवर बाणभट्ट **अथवा** दण्डी का साहित्यिक परिचय दीजिए। (8)

4. (क) द्वन्द्व **अथवा** तत्पुरुष समास की परिभाषा लिखकर उसके **दो** पदों का समास-विग्रह लिखिए। (4)

(ख) यथानिर्दिष्ट कृदन्त-रूप लिखिए :

श्रु + क्त, पठ् + तव्यत्, कृ + तुमुन्, गम् + शतृ। (4)

(ग) यथ-निर्दिष्ट तद्धित - रूप लिखिए :

रथ + इनि, लघु + त्व, मति + मतुम, वर्ष + ठक्। (4)

(घ) यथा-निर्दिष्ट णिजन्त/सन्नन्त रूप लिखिए :

पठ् + सन्, गम् + सन्, कृ + णिच्, लिख् + णिच्। (4)

https://www.kuonline.in

5. निम्नलिखित में से चार प्रत्यहार लिखिए :

(क) जश्, अच्, अट्, एच्, यण्, अक्। (8)

(ख) निम्नलिखित में से **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

(i) तस्य लोपः।

(ii) सुप्तिऽत्तंपदम्

(iii) हलोऽनन्तरा संयोगः

(iv) हलन्तयम्। (8)